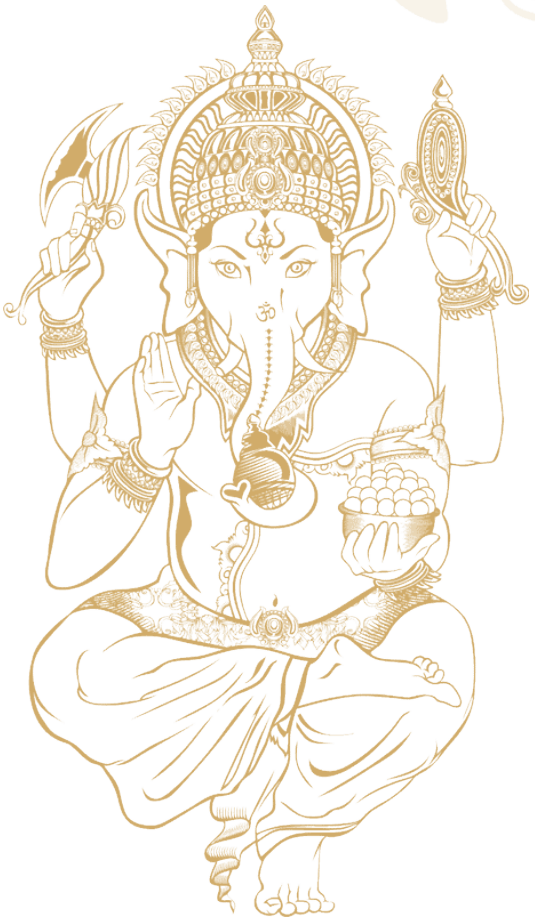

Mr.

01 Jan 2002

03:30 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121042003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/01/2002**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	50:42:26 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:09:12 घंटे
वेलान्तर	-00:02:58 घंटे
साम्पातिक काल	09:50:46 घंटे
सूर्योदय	07:13:01 घंटे
सूर्यास्त	17:34:46 घंटे
दिनमान	10:21:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:25:06 धनु
लग्न के अंश	26:16:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:16:02	307:29:17	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			धनु	16:25:06	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	06:01:44	14:29:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			कुंभ	22:56:24	00:43:55	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			मक	01:34:32	01:32:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	16:47:52	00:08:08	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	13:10:34	01:15:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
शनि	व		वृष	15:26:55	00:03:50	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:17:25	00:01:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:17:25	00:01:35	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:34:27	00:02:47	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:33:40	00:02:04	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:09:13	00:02:09	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	01:32:28	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:49

लग्न-चलित

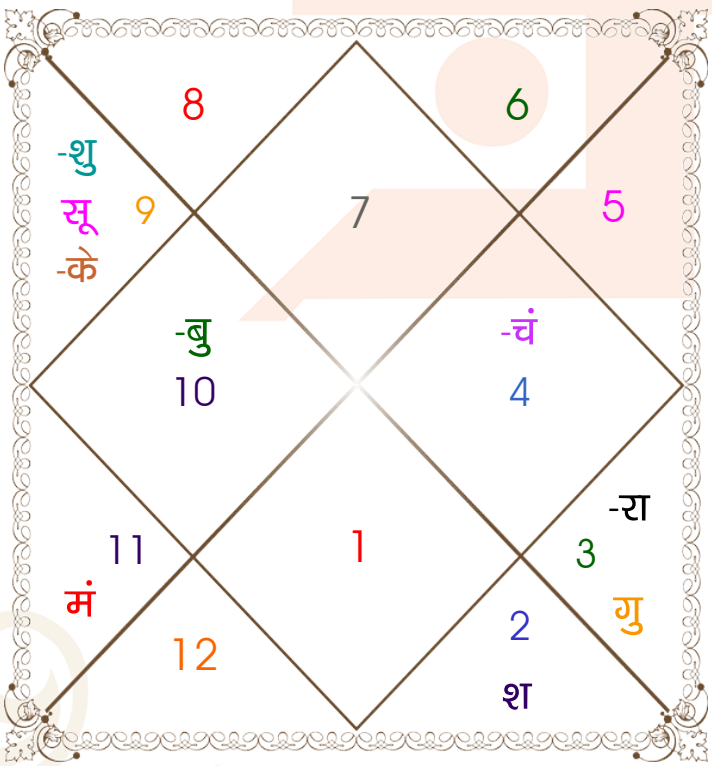

चन्द्र कुंडली

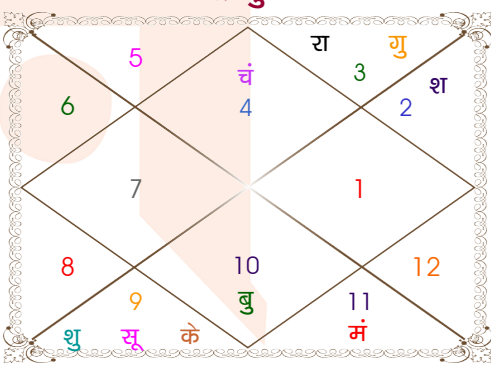

नवमांश कुंडली

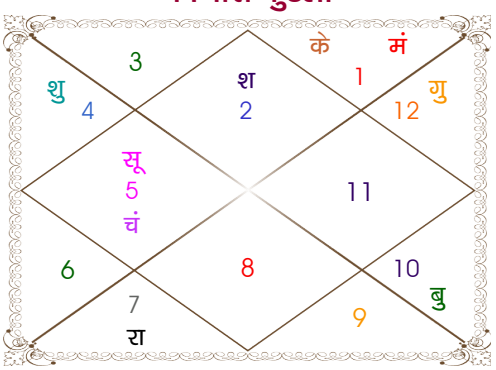

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 1 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/01/2002		27/02/2017		28/02/2034		27/02/2041		27/02/2061	
27/02/2017		28/02/2034		27/02/2041		27/02/2061		28/02/2067	
	01/01/2002	बुध	27/07/2019	केतु	27/07/2034	शुक्र	29/06/2044	सूर्य	17/06/2061
बुध	11/11/2003	केतु	23/07/2020	शुक्र	26/09/2035	सूर्य	29/06/2045	चंद्र	17/12/2061
केतु	19/12/2004	शुक्र	24/05/2023	सूर्य	01/02/2036	चंद्र	28/02/2047	मंगल	23/04/2062
शुक्र	19/02/2008	सूर्य	30/03/2024	चंद्र	01/09/2036	मंगल	29/04/2048	राहु	18/03/2063
सूर्य	31/01/2009	चंद्र	29/08/2025	मंगल	28/01/2037	राहु	30/04/2051	गुरु	04/01/2064
चंद्र	01/09/2010	मंगल	26/08/2026	राहु	16/02/2038	गुरु	29/12/2053	शनि	16/12/2064
मंगल	11/10/2011	राहु	15/03/2029	गुरु	22/01/2039	शनि	27/02/2057	बुध	23/10/2065
राहु	17/08/2014	गुरु	21/06/2031	शनि	02/03/2040	बुध	29/12/2059	केतु	28/02/2066
गुरु	27/02/2017	शनि	28/02/2034	बुध	27/02/2041	केतु	27/02/2061	शुक्र	28/02/2067

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/02/2067		27/02/2077		28/02/2084		01/03/2102		01/03/2118	
27/02/2077		28/02/2084		01/03/2102		01/03/2118		00/00/0000	
चंद्र	29/12/2067	मंगल	27/07/2077	राहु	10/11/2086	गुरु	18/04/2104	शनि	03/03/2121
मंगल	29/07/2068	राहु	14/08/2078	गुरु	05/04/2089	शनि	30/10/2106	बुध	02/01/2122
राहु	28/01/2070	गुरु	21/07/2079	शनि	10/02/2092	बुध	04/02/2109		00/00/0000
गुरु	30/05/2071	शनि	29/08/2080	बुध	29/08/2094	केतु	11/01/2110		00/00/0000
शनि	29/12/2072	बुध	26/08/2081	केतु	17/09/2095	शुक्र	11/09/2112		00/00/0000
बुध	30/05/2074	केतु	22/01/2082	शुक्र	17/09/2098	सूर्य	30/06/2113		00/00/0000
केतु	29/12/2074	शुक्र	24/03/2083	सूर्य	11/08/2099	चंद्र	30/10/2114		00/00/0000
शुक्र	29/08/2076	सूर्य	30/07/2083	चंद्र	10/02/2101	मंगल	06/10/2115		00/00/0000
सूर्य	27/02/2077	चंद्र	28/02/2084	मंगल	01/03/2102	राहु	01/03/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 1 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।